## संपादकीय

# इंसानी सीमा के पार

भाले को सौ मीटर की दूरी पार कराने वाले मानव इतिहास के इकलौते एथलीट जर्मनी के उवे हॉन हैं। भारतीय भालावीर नीरज चोपड़ा, जिन्होंने एशियन गेम्स-2018 में 88.06 मीटर दूर भाला फेंककर सोना साधा है, वे इन्हीं उवे हॉन से कोचिंग ले रहे हैं। इससे पहले जब नीरज ने अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड झटका था, तभी से उनके साथ वे आशाएं जुड़ने लगी थीं, जो बाद में पीटी उषा का रेकॉर्ड तोड़ने वाली उन्हीं की शिष्या हिमा दास के आईएएएफ वर्ल्ड अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने पर जुड़ीं।

हिमा ने एशियन गेम्स 2018 में 400 मीटर की दौड़ महज 50.79 सेकेंड में पूरी करके रजत पदक जीता। पंजाब के मोगा से निकले तजिंदर पाल सिंह तूर ने शॉटपुट में 20.75 मीटर दूर गोला फेंककर न सिर्फ गोल्ड मेडल जीता, बल्कि एशियाई रेकॉर्ड को भी नए सिरे से लिख दिया। दूसरा मिल्खा कहलाने वाले मोहम्मद अनस ने 400 मीटर की दौड़ 45.69 सेकंड में पूरी करके सिल्वर जीता है और भारतीय खेलप्रेमी उन्हें लेकर वैसे ही सपने देखने लगे हैं, जैसे उन्होंने सन 1958 में मिल्खा सिंह की ऐतिहासिक दौड़ के बाद देखे थे।

अपनी भागीदारी के लिए एक लंबी लड़ाई लड़कर खाड़ी देशों से खेलने वाली अफ्रीकी मूल की लड़कियों के सामने ट्रैक पर अपने जलवे दिखाने वाली स्प्रिंटर दुती चंद ने अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है। 400 मीटर की बाधा दौड़ में धारुन अय्यासामी, 3000 मीटर स्टीपलचेज में सुधा सिंह और लंबी कूद में नीना वराकिल ने भी चांदी काटी है। लेकिन असल बात हमारे ट्रैक-एंड फील्ड एथलीट्स का सोने-चांदी के तमगे जीतना नहीं है।

बुनियादी बात यह है कि भारत की जलवायु और यहां के जनेटिक ढांचे की दुहाई देकर इंसानी सीमाओं का इम्तहान लेने वाली एथलेटिक्स में फिसड्डेपन को जायज ठहराने वाले सारे तर्कों को उन्होंने एक झटके में ध्वस्त कर डाला है। ठीक उसी तरह, जैसे 2004 के एथेंस ओलिंपिक में चीनी धावक ल्यू श्यांग ने 110 मीटर बाधा दौड़ में रेकॉर्ड बनाकर स्प्रिंट में अफ्रीकी एथलीटों के एकाधिकार का मिथक चकनाचूर कर दिया था। अभी जैवलिन के लगभग सारे वर्ल्ड रेकॉर्ड्स यूरोप के खाते में हैं, पर इस एशियाड का संदेश है कि आगे उन्हें नीरज के भाले से सावधान रहना होगा।

# नौकरी निगलती तकनीकों के विकल्प तलाशें

बाबा साहेब अंबेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी औरंगाबाद के एक प्रोफेसर ने युवाओं की दुरूह परिस्थिति का वर्णन किया है। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा जैसे एमए कर लेने के बाद युवाओं के सामने सभी दरवाजे बंद दिखते हैं। कम्पीटीशन की परीक्षाओं में प्रतियोगियों की इतनी अधिक संख्या होती है कि उसमें से कुछ ही आगे बढ़ पाते हैं। सरकारी नौकरियां इतनी संकुचित होती जा रही हैं वहां भी प्रवेश मिलना कठिन हो गया है। प्राइवेट सेक्टर में भी वर्तमान में रोजगार कम ही बन रहे हैं। उद्योग करना भी कठिन हो गया है क्योंकि बाजार में पैसा ही नहीं है। वापस गांव भी जाना असम्भव हो जाता है क्योंकि कृषि में कठिन श्रम करने की आदत अब छूट चुकी है। ऐसी परिस्थिति में पढ़े-लिखे युवा अपराध की दिशा पकड़ते हैं जैसे एटीएम को तोड़कर नकदी चोरी करना इत्यादि।

इस परिस्थिति का मूल कारण तकनीक है। मैन्यूफैक्चरिंग में अब तक कॉफी रोजगार बन रहे थे। जैसे कपड़ा बुनने अथवा कपड़ों की सिलाई में भारी संख्या में रोजगार बन रहे थे। अब यह कार्य भी उत्तरोत्तर रोबोटों द्वारा किये जाने लगे हैं। ऐसी फैक्टरियां बनी हैं, जिसमें एक भी श्रमिक को रोजगार नहीं मिलता। कच्चे माल को मशीन में डालना, मशीन में उसका माल बनाना, उसे मशीन से निकालकर पैकिंग करना और स्टोर में डालना सब रोबोटों द्वारा किया जा रहा है।

अमेरिका में एक कम्पनी ने ऐसा रेस्टोरेंट बनाया है, जिसमें एक भी श्रमिक काम नहीं करता। आप मशीन को ऑर्डर करते हैं कि बर्गर वेजिटेरियन होगा, उसमें चीज रहेगी इत्यादि। आपके ऑर्डर के अनुसार मशीन बर्गर बनाकर आपके सामने पेश कर देगी। रोजगार हनन का यह क्रम अब सेवाओं में भी पैठ बनाने लगा है। आज ऐसे कंप्यूटर सॉफ्टवेयर हैं जो कि रिसर्च अथवा ट्रांसलेशन कर सकते हैं। यदि आपको किसी कोर्ट में कोई वाद डालना है तो आप सॉफ्टवेयर में अपनी जरूरतों को एंटर कर सकते हैं। उसके बाद सॉफ्टवेयर रिसर्च करके आपको बतायेगा कि सुप्रीमकोर्ट इत्यादि के कौन से निर्णय आपके लिए लाभप्रद हैं। वकीलों का रिसर्च करने का रोजगार भी खत्म हो रहा है।

इसी प्रकार एक भाषा से दूसरी भाषा में ट्रांसलेशन करने का काम भी उत्तरोत्तर सॉफ्टवेयर द्वारा ही किया जाने लगा है। कृषि में पहले ही ट्रैक्टर और ट्यूबवेल से खेती होने से श्रमिकों की जरूरत कम पड़ने लगी है। इस प्रकार मैन्यूफैक्चरिंग, सेवा और कृषि, सभी जगह रोजगार का संकुचन हो रहा है। यह मूल कारण है, जिसके कारण आज के युवा अपने को बेरोजगार पाते हैं।

फिर भी कुछ सेवाएं ऐसी हैं जो कंप्यूटर द्वारा नहीं की जा सकतीं जैसे माल की बिक्री करने के सेल्समैन, बीमारों की सेवा करने के लिए नर्स, बच्चों को शिक्षा देने के लिए टीचर, संगीत सिखाने के लिए संगीतज्ञ। इस प्रकार की सेवाएं जो कि मनुष्य द्वारा मनुष्य को सप्लाई की जाती, इन सेवाओं में आगे रोजगार बनने की सम्भावना है। बाकी सभी में रोजगार का संकुचन होगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि उन सेवाओं को चिन्हित करे, जिनमें भविष्य में कंप्यूटर तथा सॉफ्टवेयर दिए जाने की सम्भावना कम है और उनके लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की विशेष ट्रेनिंग की व्यवस्था करे। आज केरल की नर्सें सम्पूर्ण पश्चिम एशिया में कार्य कर रही हैं। हमारे लिए सम्भव होना चाहिए कि देश के बड़ी संख्या में युवाओं को नर्स की ट्रेनिंग दे, जिससे कि ये पूरे विश्व में उत्तरोत्तर अच्छी सेवा दे सकें। इसी प्रकार अफ्रीका में शिक्षा के क्षेत्र में भारी रोजगार उत्पन्न हो रहे हैं। हमें चाहिए कि अपने युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षक ट्रेनिंग दें, जिससे वे इस प्रकार के रोजगार हासिल कर सकें।

बात स्पष्ट कर दें कि माल की ढुलाई करना भी सेवा क्षेत्र में गिना जाता है। आज बड़े ट्रक भी सेवा क्षेत्र में गिने जाते हैं। जिस माल की ढुलाई करने में पूर्व में दस-दस टन के तीन ट्रक लगते थे, आज तीस टन के एक ही ट्रक से वह माल ढुलाई किया जा रहा है। हमें उन विशेष सेवाओं को चिन्हित करना होगा, जिनमें मनुष्य द्वारा ही मनुष्य को सेवा उपलब्ध कराई जाती है।

समस्या का दूसरा उपाय यह है कि हम उन तकनीकों को चिन्हित करें, जिनमें भारी मात्रा में रोजगार का हनन हो रहा है और इन तकनीकों पर विशेष टैक्स आरोपित करें। जैसे कृषि में हार्वेस्टर से कटाई के दौरान खेत मजदूरों को होने वाली आय का भारी संकुचन हुआ है। अतः हार्वेस्टर पर भारी टैक्स लगा दिया जाये तो कटाई में खेत मजदूर के रोजगार बढ़ जायेंगे।

## जीवन की शिक्षा

खलीफा हारून-अल-रशीद बगदाद शहर का निरीक्षण करने निकले। रास्ते में उन्हें एक भव्य इमारत दिखाई दी, जिस पर 'मदरसा अब्बसिया' का बोर्ड लगा था। खलीफा ने मंत्री से पूछा, 'हमारे शहजादे अमीन और मामून इसी मदरसे में शिक्षा पाते हैं न? मंत्री ने कहा-जी हां हुजूर! खलीफा ने मदरसे में प्रवेश किया। उन्हें सफेद दाढ़ी वाला एक बुजुर्ग हाथ धोता हुआ दिखाई दिया। वह मदरसे का उस्ताद था। उसने बादशाह को सलाम किया। खलीफा बोले, 'हम आपके मदरसे का मुआयना करने आये हैं, लेकिन हमें यह देखकर बड़ा अफ़सोस हुआ कि यहां पूरी शिक्षा नहीं दी जाती।' उस्ताद डरते हुए बोला, 'गुस्ताखी माफ़ हो हुजूर, मुझसे क्या गलती हो गई?' खलीफा ने कहा-जब आप हाथ धो रहे थे, तब हमारे शहजादे चुपचाप खड़े थे। उस्ताद की खिदमत करना हर शिष्य का फर्ज होता है। शहजादे को चाहिए था कि वे आपको पानी लाकर देते व आपके पैरों पर डालते।'

# वैधानिकता न्यायिक समीक्षा के दायरे में

नोएडा में एक सेवानिवृत्त कर्नल और बिहार में दर्ज एक मामले में राजस्थान के बाड़मेर से एक पत्रकार की अनुसूचित जाति-जनजाति कानून के तहत गिरफ्तारी की घटनाओं ने एक बार फिर इस कानून के दुरुपयोग की संभावनाओं को बल प्रदान किया है। सवाल है कि आखिर इस विशेष कानून में नागरिकों की व्यक्तिगत आजादी के अधिकार की रक्षा का प्रावधान क्यों नहीं किया जा रहा? यह अलग बात है कि जिस तत्परता से सरकार ने उच्चतम न्यायालय की 20 मार्च की व्यवस्था को निष्प्रभावी बनाने और अनुसूचित जाति-जनजाति (उत्पीड़न से रोकथाम) कानून की पूर्व स्थिति बहाल करने के लिये संसद के मानसून सत्र में विधेयक पारित कराया, उसी तत्परता से इस संशोधित कानून की वैधता को शीर्ष अदालत में चुनौती भी दी गयी है।

इस संशोधित कानून को चुनौती दिये जाने के साथ ही अब इस कानून की वैधानिकता न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ गयी है। याचिका में कानून के इन संशोधनों को संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 में प्रदत्त समता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकारों का उल्लंघन करने वाला करार देने का अनुरोध किया गया है।

सवाल यह भी है कि सरकार के सामने आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी कि उसने नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा के उद्देश्य से दी गयी शीर्ष अदालत की व्यवस्था को निष्प्रभावी बनाने के कदम क्यों उठाये? नोएडा में सेवानिवृत्त कर्नल वीरेन्द्र प्रताप सिंह चौहान और एसडीएम हरीश चन्द्र के बीच हुए विवाद और अनुसूचित जाति-जनजाति कानून के तहत चौहान की गिरफ्तारी का मामला कॉफी तूल पकड़ चुका है। कमोबेश, बाड़मेर के पत्रकार दुर्गसिंह राजपुरोहित की बिहार के नालंदा में दर्ज एक मामले में गिरफ्तारी भी विवादों के घेरे में है। इन दोनों ही मामलों में हालांकि आरोपियों की जमानत हो चुकी है लेकिन यह अभी भी रहस्य बना हुआ है कि आखिर पुलिस और प्रशासन ने इतनी तत्परता क्यों दिखाई।

# उफनते बाजार में क्रांति के गुर

लैटिन अमेरिका के एक देश वेनेजुएला में एक कॉफी की कीमत 20 लाख बोलीवर (वेनेजुएलाई मुद्रा) तक पहुंच गयी है। 20 लाख में एक कॉफी आ रही है, बंदा आधा कप कॉफी पीकर ही खुद को लखपति फील कर सकता है। पांच कॉफी दिन में लगा ले तो फिर करोड़पति हो लेगा।

वेनेजुएला में क्रांतिकारी लोगों की सरकार है। जो कुछ हुआ वेनेजुएला में, उसे कॉफी क्रांति कह सकते हैं। पब्लिक नासमझ है, सो क्रांति समझ नहीं सकती। वेनेजुएला में पब्लिक मुल्क छोड़कर भाग रही है आसपास के देशों में। इस तरकीब से वेनेजुएला खाली हो गया तो दो-पांच लोग ही बचेंगे देश में। देश में बची-खुची संपत्ति पर पांच बंदों का हक हो जाये तो फिर वेनेजुएला को विश्व का सबसे अमीर देश भी घोषित किया जा सकेगा। यह भी एक अलग ही तरह की क्रांति होगी। वेनेजुएला विकट क्रांतिकारी देश है, क्रांति पर क्रांति ।

नेता समझते हैं कि बयानों से क्रांति हो जाती है, पर बाजार क्रांति के भी भाव लगा देता है। क्रांति लफ्फाजी की शक्ल में मुफ्त में बंट जाती है और कॉफी के लिए बीस लाख खर्चने होते हैं। इससे पता लगता है कि क्रांति की ओवर सप्लाई हो जाये तो दो कौड़ी का खरीदार भी नहीं मिलता और कॉफी अपना भाव बनाये रखती है। इसलिए जिन समझदारों को क्रांति और कॉफी के बाजार भावों की समझ है वो कॉफी के कारोबार में ध्यान लगाते हैं और कामयाब रहते हैं।

भारत में कई क्रांतिकारियों को मैं जानता हूं, भाई खुद क्रांति के कारोबार में है। निकारागुआ, ग्रीस में क्रांति पर भाषण ठोककर डालर में रकम खींचते हैं, उनकी पत्नी इलीट इलाके में कॉफी सेंटर चलाती है। कभी क्रांति का काम ठप हो जाये तो कॉफी का धंधा चलता रहे। समझदार क्रांतिकारी बाजार का एक उसूल समझ लेता है कि धंधे कई तरह के होने चाहिए। सिर्फ क्रांति नहीं, कॉफी भी बेचो।

## खाना खजाना

### मानसून में रहें हेल्दी हर्बल कैफीन-फ्री ड्रिंक के साथ

**कितने लोगों के लिए - 5**
**सामग्री - तुलसी के पत्ते - 1/4 कप, गुड़-4 टीस्पून, नींबू का रस-1 टेबलस्पून, पानी- डेढ़ कप**
**विधि - तुलसी के पत्ते और गुड़ को एक साथ मिक्सकर लें और ग्राइंडर में पीसकर दरदरा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को एक बाउल में निकालकर अलग रख दें। अब एक सॉसपैन में डेढ़ कप पानी उबालें और इसमें नींबू का रस और तुलसी-गुड़ का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें और दो मिनट तक उबाल लें। फिर इसे छन्नी से छान लें और गरमा-गरम सर्व करें।**

## शब्द सामर्थ्य

**बाएं से दाएं :**
1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

**ऊपर से नीचे**
1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

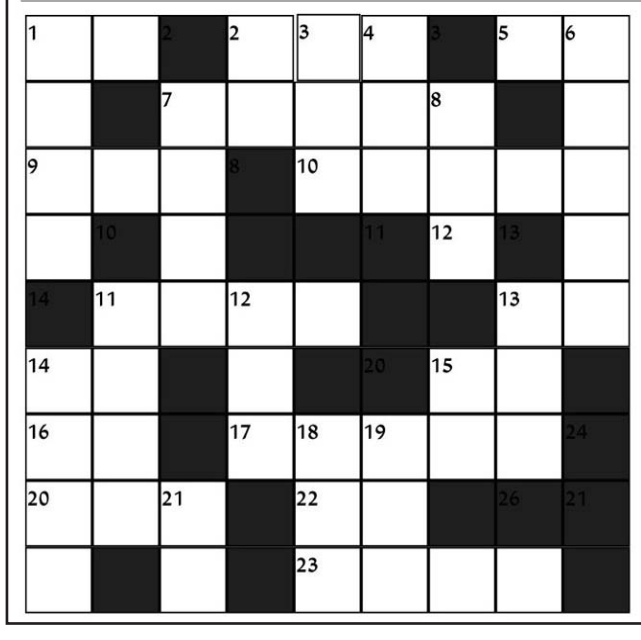

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 13 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | ल | त | ज्ञ | ■ | ■ | खा | म | खाँ |
| णे | ■ | ल | ■ | झ | प | की | ■ | ■ |
| श | र | ब | त | ■ | रं | ■ | ■ | मि |
| ■ | ज | गा | ना | ■ | प | रा | का | ष्ठा |
| ■ | नी | र | ■ | वि | रा | ज | मा | न |
| ना | च | ■ | ■ | प | ■ | ■ | य | ■ |
| म | र | णा | स | न्न | ■ | पा | नी | ■ |
| ची | ■ | ■ | प | ■ | पा | ■ | ■ | भो |
| न | ज | रा | ना | ■ | स | मा | चा | र |

## सू-दोकू

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 7 | | | | 1 | | 3 | |
| 1 | | 9 | | | | 5 | | |
| | | | 3 | | | | 1 | |
| | | 5 | | | | | | 3 |
| 3 | | | | | 2 | | 5 | |
| | | | | 3 | | | | 2 |
| | 4 | | | | | | 7 | |
| 7 | | 8 | | 1 | | 6 | | |
| | 6 | | 7 | | 9 | | | 1 |

**नियम**
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

### सू-दोकू क्र.13 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 2 | 4 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 3 | 6 | 7 | 4 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 |
| 8 | 1 | 9 | 3 | 2 | 5 | 4 | 6 | 7 |
| 6 | 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 | 6 | 4 | 1 |
| 2 | 4 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 | 3 | 9 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 8 | 2 |
| 9 | 8 | 6 | 2 | 5 | 1 | 3 | 7 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 |

## राशिफल

**मेषः** आज आप खयालों में खोए रह सकते हैं। कुछ कल्पनाएं आपके मन को व्यथित कर सकती हैं। नई परियोजनाओं की शुरुआत करें और दूसरों का सहयोग लेने में हिचक न दिखाएं।

**वृषभः** इस समय आपको कुछ अवरोधों का सामना करना पड़ सकता है। दांपत्य जीवन सामान्यतः ठीक रहेगा। नवीन रोजगार प्राप्ति में सहायता मिलेगी।

**मिथुनः** इस समय आपको नए कार्यों की योजना बनानी चाहिए। ग्रह स्थितियां अनुकूल होने के कारण संघर्ष अनुरूप सफलता का प्रतिशत भी अच्छा होगा।

**कर्कः** महत्वपूर्ण पदों पर बैठे प्रभावशाली लोग आपका पक्ष लेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने हेतु आप प्रयासरत रहेंगे। मन में शांति होगी।

**सिंहः** वित्तीय कार्य निपटाना और नए निवेश से आपको लाभ हो सकता है। आजीविका के क्षेत्र में परिवर्तन भी देखने को मिलेगा। राजकीय कार्यों में लाभ होगा।

**कन्याः** समय प्रबंधन से आप कई रुके हुए काम कर सकते हैं, इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। अनिश्चितता के कारण मानसिक तनाव की स्थितियां आएगी।

**तुलाः** सहयोग और सहभागिता के साथ विरोधों का भी सामना करना पड़ सकता है। व्यवसाय में अत्यंत प्रतिस्पर्धा से सामना होने की संभावना है, प्रयास से विजयी होंगे।

**वृश्चिकः** आपकी मेहनत की सराहना तो होगी लेकिन साथ ही शत्रुओं का आपके प्रति वैमनस्य भी बढ़ेगा। मेहनत के अनुसार सफलता कुछ कम मिलेगी।

**धनुः** कामयाबी का रास्ता खुल रहा है, नए संबंधों से फायदा होगा। आपका कार्यकौशल उभरकर सामने आएगा। आपको वांछित सहयोग भी मिलेगा।

**मकरः** आज कहीं बाहर जाने का कार्य म बन सकता है। जीवन में कोई बड़ा परिवर्तन लाने के लिए आप किसी विशेष तकनीक का इस्तेमाल करेंगे जो कि भविष्य की योजनाओं हेतु लाभप्रद होगा।

**कुंभः** कोई नया सौदा करते समय कागजात की अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें। काम-काज में अड़चने आ सकती हैं। जीवनसाथी की बातों पर भी ध्यान दें।

**मीनः** कानूनी मामलों का निपटान होगा, शत्रु पक्ष आपकी गतिविधियों व ऊर्जा को देखकर ही परास्त हो जाएगा। ऋणों का पूर्ण भुगतान होने के योग हैं।